

ISTM NEWS

APRIL-JUNE 2018



INSTITUTE OF SECRETARIAT TRAINING & MANAGEMENT
(आईएसओ 9001:2015 संस्था / AN ISO 9001:2015 INSTITUTION)

कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग / **DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRAINING**

प्रशासनिक ब्लॉक, ज.ने.वि. परिसर (पुराना) / **ADMINISTRATIVE BLOCK, JNU CAMPUS (OLD),**

ओलोफ पाल्मे मार्ग, नई दिल्ली - 110067 / **OLOF PALME MARG, NEW DELHI – 110067**

दूरभाष / **TELEPHONE – 011-26185314; टेलीफैक्स / FAX – 011-26104183**

Website: www.istm.gov.in



FROM THE DIRECTOR

It is my privilege to present to our readers a glimpse of ISTM during April-June, 2018.

A highlight this quarter was the first ever-training programme that we conducted for Divyang government employees. This training on Office Procedure was highly appreciated by the participants. Their positive feedback has strengthened our resolve to make training accessible to all. More such programmes are in the pipeline.

We at ISTM remain steadfast to provide quality training to public servants and thus contribute towards an efficient and effective public service delivery mechanism. We are constantly upgrading our skills through faculty development and use of latest technology. This enables us to cater to the training needs of organizations ranging from Central Govt. Ministries and Departments, State Govts. and Union Territories, Constitutional, Statutory and Autonomous Bodies and Public Sector Undertakings.

I request all the readers of ISTM News to send their ideas and suggestions to us for further improvement in the content of the newsletter.

(Dr. Sunita H Khurana]
Director, ISTM

SINCERELY YOURS

It is our pleasure to present to you the April-June, 2018 issue of ISTM News. For your convenience and easy reading, ISTM News is divided into four parts - **From the Director** wherein Director, ISTM outlines the vision and objectives of the Institute; in **Sincerely Yours** (the section you are currently reading) the Editorial Board introduces the issue; **Happenings** which gives a glimpse of major activities of the Institute during this period; and **Miscellany** which is a forum for our faculty members, staff and trainees to exercise their creative faculties.

Statistically speaking, this quarter the Institute organized 75 courses, which were attended by 2361 participants.

The editorial team has tried to encapsulate various activities in the Institute during this period.

Please feel free to call us to provide your candid feedback and suggestions for further improvement and for any specific information you may want.

Please log on to our website www.istm.gov.in to know more about our ensuing programmes.

SANJAY KUMAR SHARMA, Additional Director

K. GOVINDARAJULU, Joint Director

VADALI RAMBABU, Joint Director

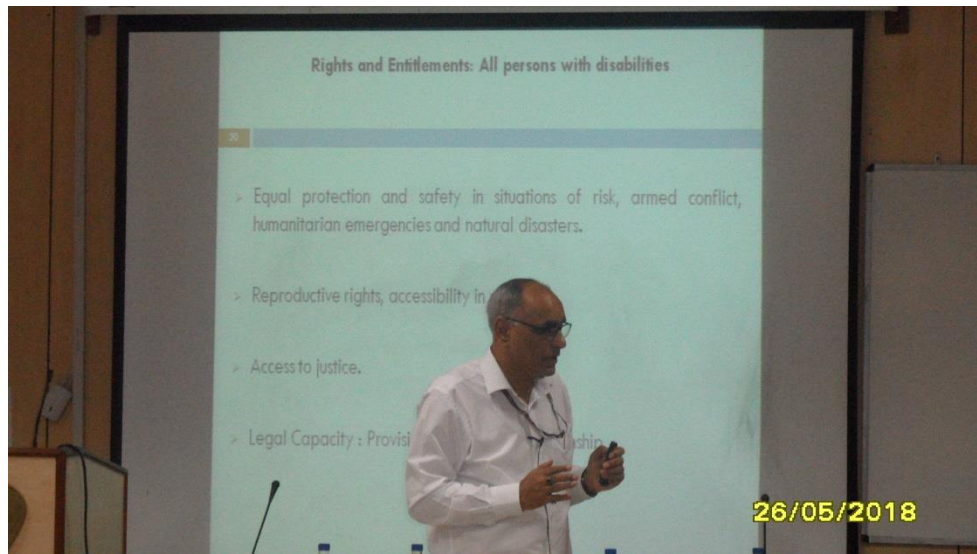
AGAM AGGARWAL, Deputy Director

HAPPENINGS

Faculty Development Seminar

The latest edition of ISTM's faculty development seminar on 26th May, 2018 had two eminent experts interacting with the faculty, senior officers of Department of Personnel and Training and trainee officers.

Shri T.D. Dhariyal, former Commissioner for Persons with Disability, Govt. of NCT of Delhi informed the participants on initiatives taken by the Government on disability matters. He also dwelt on the impact of the Rights of Persons with Disabilities Act, which was enacted in 2016.



Dr. Aasha Kapur Mehta, former Professor, IIPA in her interaction spoke on the key issues that need to be addressed to tackle India's problem of Poverty



Special Cadre Training Programme for Divyang Government Employees

A three day training programme for Divyang Government Employees was conducted at ISTM from 4th to 6th June, 2018. In this first of its kind programme, participants were taken through the concepts of File Management, Noting, Drafting, Records Management and Disability issues. Professional sign language interpreters were deployed by the Institute to facilitate a better understanding of the classroom sessions.



Swachch Bharat Abhiyan @ ISTM

As part of its social outreach activities, ISTM regularly organizes cleanliness drives in its vicinity under the Swachch Bharat Abhiyan. On 14th June, 2018, a very enthusiastic batch of trainee Direct Recruit Stenographers participated in the Swachchta Abhiyan by cleaning the pavements and the road outside the institute's campus.



Valedictory function of Stenographer Direct Recruit (Foundation) Training Programme.

It is always a matter of great pride for ISTM to conduct foundation training programme for direct recruits. One such programme of 8 weeks duration for Stenographer Director Recruit was conducted from 23rd April to 15th June, 2018, under the Cadre Training Plan of Central Secretariat Stenographers Service. The training ended with 69 such trainees being given a warm farewell at their valedictory function by Director, ISTM and faculty. The participants were awarded a certificate on successful completion of their training programme.

Director, ISTM congratulated them on their successful completion of training programme and urged them to discharge their duties with sincerity and dedication and be sensitive to the needs and requirements of the common man.



International Yoga Day

4th International Yoga Day was celebrated at ISTM with a special Yoga Session on 21st June, 2018. Led by Director, ISTM, the faculty and staff performed various *asanas* under the guidance of a yoga instructor.

The institute also holds daily yoga classes for the faculty, staff and trainees



MISCELLANY

हैदराबाद यात्रा - संस्मरण

जीवन नदी की तरह बहता रहता है, बिना इस बात का अहसास दिलाए कि इस बहाव के साथ-साथ हम अपने साथ कितने अनुभव बटोर लेते हैं जो हमारे जीवन की पूंजी बन जाते हैं, जिनके स्मरण मात्र से ही जीवन पुस्तक की भांति खुलकर सामने आ जाता है, और खुल जाते हैं वे पन्ने, वे स्मृतियां, जो अमिट और अटल हैं।

सचिवालय प्रशिक्षण व प्रबन्ध संस्थान अपनी बहुमुखी विशेषताओं के लिए प्रसिद्ध है। इसकी स्थापना सन् 1948 में की गई। 'प्रवीणता व लोकहित' के आदर्श पर स्थापित यह संस्थान कार्मिक प्रशिक्षण विभाग से सम्बद्ध है, जहां केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकार व भारत सरकार के विभिन्न उपक्रमों के अधिकारी प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं।

पिछले दिनों मुझे भी इस संस्थान में प्रशिक्षण प्राप्त करने का सुअवसर मिला। 25 जून से 6 जुलाई, 2018 दो सप्ताह के इस प्रशिक्षण में हमें सरकारी कामकाज में आने वाले विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। 36 प्रशिक्षणार्थी के साथ हमारे कोर्स डायरेक्टर श्री अगम अग्रवाल जी ने हमारा मार्ग दर्शन किया। कुशल व प्रवीण प्रशिक्षकों के द्वारा विभिन्न विषयों की जानकारी दी गई जो हमारे आने वाले जीवन के लिए निश्चय ही उपयोगी सिद्ध होगी।

विभिन्न विषयों की जानकारी के साथ-साथ हमें शैक्षणिक दौरे पर हैदराबाद भी ले जाया गया। यह दौरा अपने-आप में ही अभूतपूर्व था। 28 जून 2018 को 2 बजकर 30 मिनट पर हमने अपनी यात्रा आरम्भ की। इन्दिरा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से 5 बजे Air India से हमने अपनी उड़ान भरी और जा पहुंचे, निजामों के शहर हैदराबाद।

अगले दिन हमें हैदराबाद के विभिन्न स्थलों का भ्रमण करना था। एक बस द्वारा हमें भ्रमण के लिए ले जाया गया। हमारे भ्रमण का पहला पड़ाव 'रामोजी फिल्म सिटी' था। जो दुनिया का सबसे बड़ा फिल्म स्टूडियो परिसर माना जाता है। यह हैदराबाद से 25 किलोमीटर दूर नल्गोंडा मार्ग में स्थित है। इस स्टूडियो को रामोजी राव ने 1996 में बनाया था। यहां कई फिल्मों की शूटिंग एक साथ की जा सकती है। फिल्म निर्माण के अतिरिक्त यह एक प्रसिद्ध पर्यटन केन्द्र भी है। जहां हर साल दस लाख से ज्यादा लोग आते हैं। इसे मानव निर्मित आश्चर्य की श्रेणी में रखा गया है। पर्यटकों के लिए विशेष प्रकार का खुला कोच होता है। जापानी गार्डन, ईटीवी प्लेनेट, ताल, जलप्रपात, हवाई अड्डा, अस्पताल, रेलवे स्टेशन, चर्च, मन्दिर मस्जिद, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, खूबसूरत इमारतें, देहाती दुनिया, स्लम, राजपथ, आदि इस फिल्म सिटी के दर्शनीय स्थल हैं। कुछ सेट

प्राचीन राजा महाराजाओं के किलों की याद दिलाते हैं। हमें 'बाहूबली' के सेट पर ले जाया गया जिसे देख कर हम सभी का रोमांच देखते ही बनता था।

चारमीनार हैदराबाद का सबसे ऐतिहासिक स्थल है। जैसे आगरा में ताजमहल, पेरिस में एफिल टावर और दिल्ली में इंडिया गेट है, वैसे ही हैदराबाद में चारमीनार प्रसिद्ध है। लगभग 450 वर्ष पहले सुल्तान मोहम्मद कुली कुतुब शाह ने बनाया था। चारमीनार के आस-पास का इलाका भी चारमीनार कहलाता है। इसके आस-पास बहुत बड़ी मार्केट है जिसे लाड बाजार कहा जाता है जहाँ मोतियों के आभूषण प्रचुर मात्रा में मिलते हैं। हमने भी मोतियों के आभूषण खरीदे। हैदराबाद उन शहरों में से है जहाँ आधुनिकता व परंपरा का मिश्रण देखने को मिलता है। हैदराबादी बिरयानी भी बहुत प्रसिद्ध है।



हमारा अगला पड़ाव था, हुसैन सागर झील। यह एक मानव निर्मित झील है, जिसे हुसैन शाह वली ने 1962 में बनवाया था। झील के बीचों-बीच भगवान बुद्ध की प्रतिमा इस झील की सुन्दरता को और बढ़ा देती है। झील के एक तरफ लुम्बिनी पार्क तथा दूसरी तरफ बिरला मन्दिर है। संगीतमय फव्वारा इस स्थान की सुन्दरता को और बढ़ा देता है। रात के समय चारों तरफ रोशनी की शानदार पंक्ति 'हीरों के हार' की तरह प्रतीत होती है जिसके कारण इसे नेकलस रोड भी कहा जाता है।

निजामाबाद के रास्ते में सबसे पहला पड़ाव था, दोमकुंडा दुर्ग जिसे राजा राजेश्वर राव-1 ने 18 शताब्दी में बनवाया था। उन्होंने अपनी राजधानी कामारेडी से दोमकुंडा को बना दिया। चारों तरफ हरियाली से सम्पन्न इस दुर्ग की सुन्दरता देखते ही बनती है। इसमें 800 वर्ष पुराना एक शिव मन्दिर है। इतना शान्त, शीतल व पवित्र यह मन्दिर साक्षात् शिव की उपस्थिति का अहसास दिलाता है। हम सभी ने वहाँ पूजा-अर्चना की प्रसाद ग्रहण किया और स्वयं को सौभाग्यशाली माना। दुर्ग के प्रांगण में ही हमारी यात्रा के प्रबन्धक(Tour Operator) ने जलपान की व्यवस्था कर दी।

चारों तरफ हरियाली, मन्द शीतल पवन के चलते हुई हमने जलपान का पूर्ण आनन्द लिया और चल पड़े अगले पड़ाव की ओर।

भगवान शिव का जयनाद करते हुए हम सब बस में बैठ गए। सभी अपने-अपने ढंग से बस के सफर को आनन्दमय बनाते गए। कुछ लोग गाने सुनाकर, चुटकुले व हंसी-खुशी अपने इस सफर को यादगार बनाते गए। रास्ते में ही गोदावरी नदी थी। हम सभी बस से बाहर आए। मां गोदावरी को प्रणाम किया और आगे बढ़ गए और थोड़ी ही दूरी पर माँ सरस्वती का देवस्थान था। बहुत तेज वर्षा के कारण यहां काफी फिसलन हो गई थी लेकिन सभी ने मन्दिर में जाकर माँ सरस्वती की पूजा अर्चना की और बस में वापिस आ गए।

हमारा अगला पड़ाव था स्नेहा सोसायटी फॉर रूरल रिकन्ट्रक्शन, निजामाबाद। इस संस्था की स्थापना 1995 में की गई। यह संस्था मन्दबुद्धि बच्चों, दिव्यांग बच्चों व गरीब बच्चों को शिक्षा देती है। उनके लिए विशेष प्रकार के स्कूलों का निर्माण करती हैं जिससे बच्चे आने वाले समय में सबल बनते हैं तथा अपने पैरों पर खड़े होकर दूसरों के लिए प्रेरणा स्रोत बनते हैं। बच्चों को कम्प्यूटर द्वारा आधुनिक शिक्षा भी दी जाती है।

स्नेहा सोसायटी में पहुंचने पर इन्हीं बच्चों ने हमारा भव्य स्वागत किया। अपनी बहुमुखी प्रतिभा से उन्होंने हमारा मनोरंजन किया। कुछ बच्चे 'योगा' कर रहे थे। कुछ छोटी-छोटी बच्चियाँ ने बहुत सुन्दर नृत्य का प्रदर्शन किया। कुछ बच्चों ने बहुत सुन्दर गीत गाए। सुनकर हमारा हृदय द्रवित हो गया। भले ही ये बच्चे शारीरिक रूप से कमजोर हैं, लेकिन इनके हृदय में भरपूर प्रेम व कुछ करने की प्रबल इच्छा को उमड़ते हुए हमने देखा है। यह संस्था बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरन्तर कार्यरत है।



अगले दिन हम District Hospital गए जिसे 'सरवी' नाम से जाना जाता है। यहां हर रोज के जीवन में आने वाली सभी समस्याओं का निस्तारण करने का पूर्ण प्रयास किया जाता है। खास तौर से महिलाओं से अत्याचार, छेड़छाड़ तथा मारपीट के मामले में कानूनी सलाहकार उनकी मदद करते हैं। कम-से-कम 20-25 मामले एक दिन में सुलझाए जाते हैं। इसे One Stop Centre के नाम से जाना जाता है। यह सोसायटी का ही Project है।

एक अन्य Rehabilitation Centre में भी हमें ले जाया गया। विभिन्न प्रकार की असाध्य बीमारियों से बचने के लिए भी उन्हें जानकारी दी जाती है। यह संस्था भी स्नेहा सोसायटी का एक Project है।

बड़े भारी मन से, हम लोग वहां से आए, वहां के लोगों की स्थिति देखकर हृदय बहुत ही व्याकुल हुआ। धरती पर इस तरह का जन-जीवन मानवता का अभिशाप है। किस तरह इन्सान नरक का जीवन जीने के बाध्य है। ऐसा क्यों है? इस क्यों का उत्तर शायद हम नहीं जानते। यह सब देखकर स्नेहा सोसायटी के प्रति और भी आदर बढ़ गया क्योंकि समाज के प्रति की गई सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है।

“कुछ तो तसकीन मिले मुझसे किसी राही को ।
मैं कोई पेड़ बनूँ, किसी पेड़ का साया हो जाऊँ।।”

हम 1 बजे के आसपास वापिस NGO आए। उन बच्चों को कुछ उपहार देकर वहां से विदा ली। राजीव गांधी अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भर कर हम दिल्ली सकुशल पहुंच गए।

शैक्षणिक दौरा व्यक्ति के सम्पूर्ण विकास के लिए आवश्यक ही नहीं अनिवार्य भी है। अपनी छोटी-सी दुनिया से बाहर आकर जब हम बाहर की विस्तृत दुनिया को देखते हैं तो पाते हैं कि हमारा दृष्टिकोण कितना बदल गया है। मन कह उठता है :

“आए हो निभाने जो किरदार जमी पर, कुछ ऐसा कर चलो कि ज़माना मिसाल दे।”

कुसुम शर्मा
निजी सहायक
प्रशासनिक सुधार व
लोक शिकायत विभाग

XXXXX

Contact us: Website: www.istm.gov.in, Email: newsletter-istm@nic.in